ईमामेक्टिन बेंजोएट 1.5% + फिप्रोनिल 3.5% एस.सी.
कीटनाशक

इस कीटनाशक संयोजन का प्रयोग मिर्च में चुरदा और फल छेदक के नियंत्रण में किया जाता है। इसमें ईमामेक्टिन बेंजोएट 1.5% स.त. + फिप्रोनिल 3.5% स.त. और शेष एडजुवेन्ट्स है।

चेतावनी:

1. यह कीटनाशक मछली के लिए विषैला होता है। फिप्रोनिल युक्त इस उत्पाद का प्रयोग ऐसे स्थान पर नही करना चाहिए जॉहा पर मत्स्यपालान किया जाता हो। 2. इसका प्रयोग दिन के समय पर नही करना चाहिए जब मधुमक्खी सक्रिया रूप से भोजन के लिए घूम रही हो। 3. यह कीटनाशक पक्षियो के लिए विषैला होता है। इसे पक्षियो के संपर्क से बचाना चाहिए।

उपयोग

फसल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा		पानी की मात्रा (ली)	अंतिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अंतराल (दिनों में)	पुनः प्रवेश की अवधि प्रत्येक छिड़काव के बाद (घंटे)
		स.त.(ग्राम)	सांद्रण (ग्राम)			
मिर्च	चुरदा, फल छेदक	(7.50+ 17.50)- (11.25+ 26.25)	500-750	500	3	

उपयोग के लिए निर्देश :

छिड़काव के यंत्र: उच्च क्षमता के छिड़काव यंत्र जैसे नेपसेक स्प्रेयर के साथ होलोकोन नोजल या यंत्र शक्ति से चलने वाले छिड़काव यंत्र। **प्रयोग की सीमाए:** इस कीटनाशक को उन फसलो पर प्रयोग ना करे जिनके लिए कोई सिफारिश नही की गयी है। इसका प्रयोग किसी भी कीटनाशक या पादप विद्धि नियंत्रण के साथ मिलाकर नही करना चाहिए।

प्रयोग का समय :

फसल की वानस्पतिक एंव प्रजनन अवस्था पर कीटनाशक का छिड़काव करे और जब जरूरत लगे तो पुनः छिड़काव करें।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां:

1. सूंघने, त्वचा एंव आँखो के सम्पर्क से बचायें। 2. रख–रखाव के लिए समय नंगे हाथो को प्रयोग ना करें और हमेशा रबर के दस्ताने और मुखौटा इस्तेमाल करें। 3. कीटनाशक के रख–रखाव के दौरान खान–पान, चबाना और धुम्रपान न करें। 4. दूषित त्वचा और कपड़ो का काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोए। 5. हवा की दिशा में छिड़काव करें और सुरक्षात्मक कपड़े पहनें।

विष के लक्षण :

इसके विष लक्षण चिड़चिड़ापन, आलस्य, मांसपेसियो में कंपन मिरगी हो सकती है। पुतलियो का फैलना, असंतुलन और एटाक्सिया हो सकते है। नाक बहना एंव सांस लेने मे कठिनाई।

प्राथमिक चिकित्सा :

1. रोगी को स्वच्छ हवा में ले जाए। 2. त्वचा के सम्पर्क में आने पर दूषित त्वचा तथा कपड़ो को साबुन और पानी से अच्छी तरह से धोए। 3. यदि आँख में चला जाए तो आँखो को कई मिनट तक भरपूर साफ पानी से धोएं। 4. यदि रोगी ने पदार्थ को निगल लिया हो तो 1 से 2 गिलास पानी पिलाएं। उल्टी न करायें। डॉक्टर को तुरन्त बुलाऐ।

पीघविशाक्तता:

विषनाशक :

कोई विशिष्ट विषनाशक नही। लक्षणानुसार चिकित्सा करें।

खाली डिब्बों का निपटारा :

1. खाली डिब्बो को बाहर मत फेके, जिससे उनका दुबारा प्रयोग न हो सके। 2. खाली डिब्बो को तोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाड़ दे। 3. खाली डिब्बे बचा हुआ सामान तथा मशीन की धोवन का निपटारा सावधानीपूर्वक इस प्रकार करे कि वातावरण या जल प्रदूषण न हो।

संग्रहण की शर्ते :

1. खाली डिब्बो का पुनः प्रयोग खतरनाक है। कीटनाशक को उनके मूल डिब्बो मे संग्रहण करना चाहिए और खाद्य पदार्थों से दूर इन्हे अलग अलमारी में ताला चाबी लगाकर रखें। 2. कीटनाशक के संग्रहण का कक्ष या स्थान प्रकाशयुक्त, मजबूत बना हुआ, ठंडा, हवादार, शुष्क तथा पर्याप्त लम्बा चौडा होना चाहिए जिससे वाष्प दुवारा प्रदूषण न हो।

रासायनिक संरचना :

ईमामेक्टिन बेंजोएट स.त.	1.50% मा/मा
फिप्रोनिल स.त.	3.50% मा/मा
प्रोपाइलीन ग्लाइकॉल	7.00% मा/मा
ट्रायस्टेरिल फीनॉल इथॉक्सीलेट	3.00% मा/मा
पोटेसियम साल्ट	
पाली एराइल फीनाइल ईथर फॉस्फेट का अमिन सॉल्ट	2.50% मा/मा
सिलिकॉन आधारित इमल्सन (एंटीफोमिंग)	0.20% मा/मा
फॉर्मेल्डहाइड	0.20% मा/मा
जैन्थन गम	0.40% मा/मा
डी.एम. वाटर	पर्याप्त मात्रा
योग	100.00% मा/मा

चेतावनी : इस लेबल/पत्रिका पर निर्देशित फसलों के अलावा अन्य फसलों पर उपयोग मना है।

Emamectin Benzoate 1.5% + Fipronil 3.5% SC
Insecticide

This insecticide combination is used for insect control in chilli against thrips and fruit borer, which contain Emamectin Benzoate (1.5% a.i.) + Fipronil (3.5% a.i.) and remaining adjuvants.

Caution:

1. This insecticide is toxic to fish, uses of this product containing should be avoided near aquaculture. 2. Do not spray during active bee-foraging period of the day. 3. Exposure toi birds should be avoided as the product is toxic to birds.

Recommendation:

Crop(s)	Common Name of Pest	Dosage/HA		Dilution in water (Ltr/ha)	Waiting Period between last spray to harvest (in days)	Re-entry after each Application (in Hours)
		AI (gm)	Formulation (gm)			
Chillies	Thrips & Fruit borer	(7.50+ 17.50)- (11.25+ 26.25)	500-750	500	3	

Direction of use :

Spray Equipment : High volume knapsack sprayer with hollow cone nozzle, power operated sprayer machine may be used.

Limitation for use : It should not be used in crops where it has not been recommended. It should not be used in combination with any insecticides or plant growth regulators.

Time of application:

Apply the insecticide at vegetative & reproductive stages of crops growth and repeat application as necessary.

Precaution:

1. Avoid inhalation, eye & skin contact. 2. Do not use bare hands and always use rubber gloves & face masks while handling the insecticide. 3. Do not eat-drink, chew or smoke while handling the insecticide. 4. Wash contaminated skin and clothes with soap and plenty of water. 5. Keep away from animals feed and foodstuff. 6. Spray in the direction of wind and wear full protective clothes while mixing the insecticide.

Symptoms of Poisoning:

Mainly consists of irritability, lethargy, muscles tremors and in extreme case convulsions may occur. It may be a combination of dilation of I pupils, muscular incardination and ataxia. Nasal secretion and laboured respiration.

First Aid:

1. Remove the affected person to a well ventilated area or fresh air. 2. In case of skin contact : Remove contaminated clothing and thoroughly wash the affected parts of the body with soap & water. 3. In case of eye contact : Rinse eye with clean water for several minutes. 4. In case of ingestion : Give the patient one or two glasses of water, if able to swallow, Do not induce vomiting. Get the attention of medical doctor immediately.

Antidote:

No specific antidote is known. Treat symptomatically.

Disposal of used Containers:

1.Dangerous to reuse empty containers :The used packages should not be left outside to prevent their re-use. 2.Packages shall be broken and buries away from the habitation. 3. Packages or surplus material and washing should be disposed off in a safe manner so as prevent environmental and water pollution.

Storage Condition :

1.The packages containing insecticide should be stored in original containers in separate room or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly food articles or shall be kept in separate almirahs under lock & key. 2.The rooms or premises meant for storing the insecticide shall be well lit and ventilated and sufficient dimensions to avoid contamination with water. .

Chemical Composition :

Emamectin Benzoate a.i.	1.5% w/w
Fipronil a.i.	3.50% w/w
Propylene glycol	7.00% w/w
Tristyryl phenol ethoxylate potassium salt	3.00% w/w
Anime salt of Poly aryl phenyl ether phosphate	2.50% w/w
Silicon based emulsion (Anti foaming)	0.20% w/w
Formaldehyde	0.20% w/w
Xanthan Gum	0.40% w/w
D.M. Water	Q.S. to make %
Total	100.00% w/w

Caution : Not to be used on crops other than specified on this Label/Leaflet.

Read Instruction Leaflet before use.
उपयोग से पहले निर्देश पत्रिका पढ़ें।

For Agricultural use only.
केवल कृषि उपयोग के लिए।

Store in a cool, dry and well ventilated place.
ठंडी, सूखी और अच्छी तरह हवादार जगह में संग्रह करें।

Emamectin Benzoate 1.5% + Fipronil 3.5% SC

Emagent

Insecticide

ईमामेक्टिन बेंजोएट 1.5% + फिप्रोनिल 3.5% एस.सी.

ईमाजेंट

कीटनाशक

Regn. No. : CIR-329625/2023-Emamectin Benzoate 1.5% + Fipronil 3.5% SC for indigenous manufacture (447)-867

vedic® agroScience

Manufactured & Marketed By :

Vedic Agro Science Pvt. Ltd.

(An ISO 9001 : 201 & 14001 : 2015 Certified Company)
40, Strand Road, 5th Floor, Room No. : 26,
Kolkata - 700 : 001, West Bengal,
Helpline : 033 2262 2441,
E-mail : vedic@vedicagro.com

Manufacturer Premises :

Vill. Baligori, P.O. Baligori, P.S. : Tarakeswar,
Distt. : Hooghly,
West Bengal, PIN : 7212 410

ইমামেক্টিন বেঞ্জোৱেট 1.5% + ফিপ্ৰোনিল 3.5% SC
কীটনাশক

এই কীটনাশক সংযোজনবিধৰ ব্যৱহাৰ জলকীয়াত চুৰদা (থ্ৰিপছ) আৰু ফল ছেদক (ফ্ৰুট ৰাৰ) নিয়ন্ত্ৰণ কৰিবলৈ কৰা হয়। ইয়াত ইমামেক্টিন বেঞ্জোৱেট 1.5% a.i. + ফিপ্ৰোনিল 3.5% a.i. আৰু বাকীখিনি এডজুভেন্ট আছে।

সতৰ্কতা:

1. এই কীটনাশকবিধ মাছৰ বাবে বিষ। ফিপ্ৰোনিলযুক্ত এই সামগ্ৰীবিধৰ প্ৰয়োগ এনে স্থানত কৰা অনুচিত য'ত মৎস্যপালন কৰা হয়। 2. ইয়াৰ প্ৰয়োগ দিনৰ সময়ত কৰা অনুচিত, যেতিয়া মৌমাখি সক্ৰিয় কৈ আহাৰ বিচৰি ঘূৰি ফুৰে। 3. এই কীটনাশক চৰাইৰ বাবে বিষ। ইয়াক চৰাইৰ সম্পৰ্কলৈ আহিবলৈ দিব নালাগে।

ব্যৱহাৰ:

প্ৰয়োকবাৰ সিঞ্চনৰ পাছত পুনঃপ্ৰয়োগৰ সময় 48 ঘণ্টা।

শস্য	কীটৰোধ সাধাৰণ নাম	ড'জ/HA		পানীত দ্ৰৱণ (লিটাৰ)	শেষবাৰ ছটিওৱাৰ পৰা দোৱাটোকে অপেক্ষাৰ সময় (দিন)	প্ৰতিবাৰে ছটিওৱাৰ পাছত পুনঃ প্ৰৱেশ (ঘণ্টাত)
		এ.আই. (গ্ৰাম)	ফৰ্মুলেশান (গ্ৰাম)			
জলকীয়া	চুৰদা (থ্ৰিপছ) আৰু ফল ছেদক (ফ্ৰুট ৰাৰ)	(7.50 + 17.50)- (11.25 + 26.25)	500-750	500	3	

প্ৰয়োগৰ বাবে নিৰ্দেশ:

সিঞ্চনৰ বাবে যন্ত্ৰ: উচ্চ ক্ষমতাৰ সিঞ্চন যন্ত্ৰ যেনে নেপচেক স্প্ৰেয়াৰৰ সৈতে হোলোকোন ন'জল বা যন্ত্ৰ শক্তিৰ দ্বাৰা চালিত সিঞ্চন যন্ত্ৰ।

প্ৰয়োগৰ সীমাঃ এই কীটনাশকবিধ সেই শস্যসমূহৰ ওপৰত প্ৰয়োগ নকৰিব যাৰ ওপৰত কৰাৰ পৰামৰ্শ দিয়া হোৱা নাই। ইয়াৰ প্ৰয়োগ অন্য কোনো কীটনাশক বা উদ্ভিদ বৃদ্ধি ৰেগুলেটৰৰ সৈতে কৰা অনুচিত।

প্ৰয়োগৰ সময়:

শস্যৰ বানস্পতিক আৰু প্ৰজনন অৱস্থাত কীটনাশকবিধ ছটিয়াওক আৰু যেতিয়া প্ৰয়োজন বোধ হয়, পুনৰ ছটিয়াওক।

ব্যৱহাৰকৰ্তাৰ বাবে সতৰ্কতা:

1. দৰৱ নুভঁজিব, মুখ, ছাল আৰু চকুৰ পৰা বচাওক। 2. কেতিয়াও খালী হাত প্ৰয়োগ নকৰিব আৰু কীটনাশকবিধ ব্যৱহাৰ কৰোঁতে ৰবৰৰ হাতমোজা আৰু মুখাৰ ব্যৱহাৰ কৰিব। 3. ব্যৱহাৰ কৰোঁতে ধূমপান, খোৱা, পানী বা আন একো চোবাব নালাগে। 4. দূষিত কাপোৰ আৰু শৰীৰৰ অংগবিলাক ভালদৰে চাবোনেৰে ধোৱক। 5. খাদ্য সামগ্ৰী, খোলা বাচন আৰু পশুৰ আহাৰৰ পৰা দূৰত ৰাখিব। 6. ব্যৱহাৰ কৰাৰ সময়ত সম্পূৰ্ণ সুৰক্ষাত্মক কাপোৰ পিন্ধিব। বতাহৰ দিশতে সিঞ্চন কৰক।

বিষৰ লক্ষণ:

ইয়াৰ বিষৰ লক্ষণত আছে আমনি পোৱা, এলাহ লগা, মাংসপেশীত কম্পন, মৃগী ইত্যাদি। চকুৰ মণি বহল হোৱা, ভাৰসাম্যতা হেৰুওৱা আৰু এটাক্সিয়া হ'ব পাৰে। নাক বৈ থকা আৰু উশাহ লোৱাত অসুবিধা।

প্ৰাথমিক চিকিৎসা:

1. উশাহত ল'লে ৰোগীক তত্ত্বালিকে খোলা বায়ুলৈ লৈ যাওক। ডাক্তৰক যোগাযোগ কৰক। 2. চকুৰ সংস্পৰ্শলৈ গ'লে পানীৰে চকুকেইটা 15 মিনিটলৈকে ধুৱ। 3. যদি ছালৰ সম্পৰ্কলৈ আহে, তেন্তে তত্ত্বালিকে পানী আৰু চাবোনেৰে ধুই পেলাব। বা পুনৰ পিন্ধাৰ আগতে কাপোৰ ধুই পেলাব। 4. গিলি পালে পানীৰে কুলকুলি কৰিব। 4 পৰা 2 গিলাছ পানী খাবলৈ দিয়ক। ডাক্তৰক তত্ত্বালিকে মাতি পঠাওক।

বিষ প্ৰতিষেধক:

লক্ষণ অনুযায়ী চিকিৎসা কৰাওক। কোনো নিৰ্দিষ্ট বিষ প্ৰতিষেধক নাই।

ব্যৱহৃত পাত্ৰৰ নিষ্ক্ৰাণঃ

1. খালী পাত্ৰবিলাক পুনঃব্যৱহাৰ কৰাটো অতিশয় বিপদজনক। ব্যৱহৃত বাচনবিলাকে পৰোক্ষভাৱে বাহিৰত নাৰাখিব, যাতে পুনৰ ব্যৱহাৰ কৰা নহয়। 2. পাত্ৰটো ভাঙি পেলাই বসতিৰ পৰা অতিলগে পুতি পেলাব। 3. বাচন/পেকেজ বা অতিৰিক্ত সামগ্ৰীখিনি বা খোৱাবিধী সুৰক্ষিত ভাৱে নিষ্ক্ৰাষণ কৰিব লাগে যাতে পৰিবেশগত অথবা খোৱা পানীৰ প্ৰদূষণ ৰোধ কৰিব পৰা যায়।

সংৰক্ষণৰ পৰিস্থিতি:

1. কীটনাশক বখা পেকেজসমূহ পৃথক কোঠালি বা ঘৰত সংৰক্ষণ কৰিব, বিশেষকৈ অন্য সামগ্ৰী সংৰক্ষণ কৰা স্থানৰ পৰা অতিলগে, আৰু আহাৰ আদি সামগ্ৰীখিনি কীটনাশকৰ মাজা আৰু প্ৰকৃতিৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি পৃথক আলমাৰিত তলা-চাবি মাৰি ৰাখিব লাগে। 2. কীটনাশক ৰাখিবলগীয়া কোঠালি বা স্থানখিনি ভালদৰে নিৰ্মিত, শুকান, ভালদৰে পোহৰ আৰু বায়ু চলাচল কৰা তথা পৰ্যাপ্ত আয়তনৰ হোৱা উচিত যাতে বাষ্পীভূত হৈ দূষিত হৈ নপৰে।

ৰাসায়নিক সংৰচনা:

ইমামেক্টিন বেঞ্জোৱেট a.i.	1.50% w/w
ফিপ্ৰোনিল a.i.	3.50% w/w
প্ৰোপাইলিন গ্লাইকল	7.00% w/w
ট্ৰাইষ্টিৰিল ফেনল ইথক্সাইলেট পটেছিয়াম চল্ট	3.00% w/w
এমাইন চল্ট অব পলি এৰাইল ফেনাইল ইথাৰ ফছফেট	2.50% w/w
ছিলিকন বেছড ইমালশান (এন্টি ফ'মিং)	0.20% w/w
ফৰ্মেলডিহাইড	0.20% w/w
জেন্থান গাম	0.40% w/w
D.M. ৱাটাৰ	QS %
যোগ:	100.00% w/w

সাৱধানতা: লেবেল/লীফলেটত উল্লেখ নকৰা শস্যৰ ওপৰত ব্যৱহাৰ কৰিব নালাগে।

ইমোমেক্টিন বেঞ্জোয়েট 1.5% + ফিপ্ৰোনিল 3.5% এস.সি.
কীটনাশক

এই কীটনাশক মিশ্ৰণৰ প্ৰয়োগ লঙ্কাৰ ফসলৰ চুৰদা বা থ্ৰিপস এবং ফল ছেদক পোকাৰ নিয়ন্ত্ৰণে কৰা হয়। এতে ৰয়েছে ইমোমেক্টিন বেঞ্জোয়েট 1.5% এ. আই. + ফিপ্ৰোনিল 3.5% এ. আই. এবং অৰশিষ্ট আডজুভেন্টস।

সতৰ্কতাঃ

1. এই কিটনাশক মাছেৰ চাষৰ পক্ষে বিষাক্ত ও ক্ষতিকৰ। ফিপ্ৰোনিল বিশিষ্ট এই প্ৰোডাক্টৰ প্ৰয়োগ এনেন স্থানে কৰাবেন না যেখানে মাছ চাষ কৰা হয়। 2. এই প্ৰয়োগ দিনৰে বেলা কৰা চলবে না বিশেষত যখন মৌমাছি সক্ৰিয় থাকে এবং খাদ্যৰ সন্ধানে ঘূৰে বেড়ায়। 3. এই কীটনাশক পাখীদেৰ পক্ষে ক্ষতিকাৰক। পাখীদেৰ সংস্পৰ্শে যাতে না আসে তা দেখতে হবে।

ব্যৱহাৰঃ

ফেৰ প্ৰয়োগৰ ব্যৱধান একবাৰ ছেটোনৰ পৰ 48 ঘণ্টা।

ফসল	কীটৰ নাম	প্ৰতি হেক্টৰে মাত্ৰা		জলৰে পৰিমাণ (লিটাৰে)	শেষ ছেটোনৰ সময় এবং ফসল কাটিব মধ্যে সময়ৰে ব্যৱধান (দিন)	পুনঃ প্ৰৱেশ পৰ্যন্ত প্ৰত্যেকবাৰ ছেটোনৰ ব্যৱধান (ঘণ্টা)
		এ. আই. (গ্ৰাম)	গঠন (গ্ৰাম)			
লঙ্কা	চুৰদা বা থ্ৰিপস, ফল ছেদক	(7.50+ 17.50)- (11.25+ 26.25)	500-750	500	3	

ব্যৱহাৰৰে জন্য নিৰ্দেশঃ

ছেটোনৰ যন্ত্ৰঃ উচ্চ ক্ষমতা সিঞ্চন যন্ত্ৰ যেনে নেপচাক স্প্ৰেয়াৰ এৰ সঙ্গে হোলো কোন নজল বা যান্ত্ৰিক শক্তিতে চলে এনে ছেটোনৰ যন্ত্ৰৰে ব্যৱহাৰ কৰাতে হবে।

ব্যৱহাৰৰে সীমাঃ এই কীটনাশককে সেই সব ফসলে ব্যৱহাৰ কৰাবেন না যাৰ কথা সুপাৰিশকৃত নয়। এৰ প্ৰয়োগ অন্য কোন কীটনাশক বা ছত্ৰাকনাশক এৰ সঙ্গে মিলিতভাবে কৰাবেন না।

ব্যৱহাৰৰে সময়ঃ

ফসলে পৰাগমিলন এবং প্ৰজননৰে সময় এই কীটনাশকৰে প্ৰয়োগ কৰাব এবং প্ৰয়োজন হলে তবেই ফেৰ কীটনাশক ছেটোন।

ব্যৱহাৰকাৰীৰ জন্য সতৰ্কতাঃ

1. নাকে শুকবেন না চোখ থেকে দূৰে ৰাখুন। 2. ৰক্ষণাবেক্ষণৰে সময় খালি হাতে, এৰ প্ৰয়োগ কৰবেন না এবং সব সময় ৰবাৰ এৰ দস্তানা এবং মুখোশ ব্যৱহাৰ কৰান। 3. স্প্রে কৰাৰ সময় খাদ্যগ্ৰহন, পানীয় গ্ৰহণ বা ধূমপান কৰবেন না। 4. ব্যৱহাৰৰে সময় খাওয়া, পানীয় বস্তু, ধূমপান, অথবা চিবোনো কিছু কৰবেন না। 5. খাদ্যসামগ্ৰী, খাদ্য সামগ্ৰীৰ খালি পাত্ৰ এবং পশু চাৰা থেকে দূৰ ৰাখবেন। 6. ব্যৱহাৰ কৰাৰ সময় নিৰাপত্তামূলক পোষাক ব্যৱহাৰ কৰবেন। বাতাসৰ দিকে স্প্রে কৰান। বিপৰীতে ব্যৱহাৰ কৰবেন না।

বিষক্ৰিয়াৰ লক্ষণঃ

এৰ বিষক্ৰিয়াৰ লক্ষণৰে মধ্যে ৰয়েছে আলস্য, তিৰিক্ষি মেজাজ, মাংশপেশিতে কম্পন। চোখৰে তাৰা বড় হওয়া, সন্তুলন হাৰানো এবং আটাক্সিয়া হতে পাৰে। নাক দিয়ে জল পড়া এবং শ্বাসকষ্টাস এৰ ক্ষেত্ৰেও অসুবিধা হতে পাৰে।

প্ৰাথমিক চিকিৎসাঃ

1. বিষক্ৰিয়ায় আক্ৰান্ত ব্যক্তিকে ঐ স্থান থেকে সৰিয়ে খোলা উন্মুক্ত স্থানে নিয়ে যান, শৰীৰ বেশী উষ্ণতা হয়ে যাওয়া থেকে বাঁচান। 2. ত্বকৰ সংস্পৰ্শে আসাৰ ক্ষেত্ৰেঃ দূষিত জামাকাপড় খুলে ফেলুন, স্বাভাবিক ভালো কৰে সাবান ও জল দিয়ে ধুয়ে ফেলুন। 3. চোখৰে সংস্পৰ্শে আসাৰ ক্ষেত্ৰেঃ পৰিষ্কাৰ জল দিয়ে চোখ কয়েক মিনিট ধৰে ধুয়ে নিন। 4. যদি শৰীৰৰে ভেতৰে প্ৰৱেশ কৰে, তাহলে ৰোগীকে এক বা দু গ্লাস জল খাওয়ান। বমি কৰাবেন না। অবিলম্বে ডাক্তাৰৰ সঙ্গে পৰামৰ্শ কৰান।

প্ৰতিষেধক

কোনো নিৰ্দিষ্ট প্ৰতিষেধক জানা নেই, লক্ষণ অনুযায়ী চিকিৎসা কৰান।

খালি পাত্ৰ বিনষ্টীকৰণঃ

1. খালি পাত্ৰ ফেৰ ব্যৱহাৰ কৰাবেন না। পুনৰ্ব্যবহাৰ এড়াতে ব্যৱহাৰ প্যাকেজগুলি বাইৰে ফেলে ৰাখবেন না। 2. প্যাকেজগুলি ভেঙে জনবসতি থেকে দূৰে পুঁতে ফেলতে হবে। 3. প্যাকেজ, বাড়তি বস্তু এবং মেশিন ও পাত্ৰ খোয়ানি জল এমন সাবধানে ফেলতে হবে যাতে পৰিবেশ ও জলদূষণ এড়ানো যায়।

সংৰক্ষণৰে ব্যৱস্থাঃ

1. কীটনাশক ভৰা প্যাকেজগুলি অন্য বস্তু বিশেষ কৰে খাদ্যদ্ৰব্য মজুত কৰাৰ জন্য ব্যবহৃত ঘৰ বা বাড়ি থেকে দূৰে আলাদা ঘৰ বা বাড়িতে ৰাখতে হবে অথবা কীটনাশকৰে পৰিমাণ ও চৰিত্ৰ অনুসাৰে আলাদা আলমাৰিতে তালা চাবি দিয়ে ৰাখতে হবে। 2. কীটনাশক মজুত কৰাৰ নিমিত্ত ঘৰ বা বাড়ি হবে সুনিৰ্মিত, সুআলোকিত, শুকনো, বাতাস চলাচলৰে উপযুক্ত এবং বাষ্প দ্বাৰা দূষণ এড়াতে যথেষ্ট পৰিসৰযুক্ত।

ৰাসায়নিক গঠনঃ

ইমোমেক্টিন বেঞ্জোয়েট এ.আই.	1.50% ডবলু/ডবলু
ফিপ্ৰোনিল এ.আই.	3.50% ডবলু/ডবলু
প্ৰোপাইলিন গ্লাইকল	7.00% ডবলু/ডবলু
ট্ৰায়স্টেৰিল ফেনল ইথোক্সাইলেটেড পটাশিয়াম সল্ট	3.00% ডবলু/ডবলু
পলি আৰেল ফিনাইল ইথাৰ ফসফেট এৰ সল্ট	2.50% ডবলু/ডবলু
সিলিকন ভিত্তিক ইমালশন (আন্টিফোমিং)	0.20% ডবলু/ডবলু
ফৰ্মালডিহাইড	0.20% ডবলু/ডবলু
জ্যান্থাম গাম	0.40% ডবলু/ডবলু
ডি.এম ওয়াটাৰ	পৰ্যাপ্ত মাত্ৰা %
মোট:	100.00% ডবলু/ডবলু

সতৰ্কতাঃ এই লেবেল/পুস্তিকায় নিৰ্দেশিত ফসল ছাড়া অন্য ফসলে ব্যবহাৰ কৰবেন না।

লমামেক্টিন বেঞ্জোএট 1.5% + ফিপ্ৰোনিল 3.5% এস্.সি.
কীটনাশক

এই কীটনাশক সমিশ্ৰণৰ প্ৰয়োগ লঙ্কা ফসলৰে থ্ৰিপ্স এবং ফল ছিদ্ৰ ভবুয়িবা কীটপতঙ্গৰ নিয়ন্ত্ৰণ পাবলৈ কৰা হয়। এতিয়া লমামেক্টিন বেঞ্জোএট 1.5% স.ত. + ফিপ্ৰোনিল 3.5% স.ত. সক্ৰিয় ভগ্ন এবং অৱশিষ্ট আডজুভেন্টস অছি।

সৰ্তকতা:

1. এই কীটনাশক মাছ পাবলৈ বিষাক্ত হোৱাথাকে। ফিপ্ৰোনিল যুক্ত এই উত্পাদনৰ প্ৰয়োগ মৎস্যচাষৰ কৰাথাকিব লাগে। 2. এই প্ৰয়োগ দিনৰ বেলা কৰা চলবে না বিশেষত যখন মৌমাছি সক্ৰিয় থাকে এবং খাদ্যৰ সন্ধানে ঘূৰে বেড়ায়। 3. এই কীটনাশক পাখীদেৰ পক্ষে ক্ষতিকাৰক। পাখীদেৰ সংস্পৰ্শে যাতে না আসে তা দেখতে হবে।

ব্যৱহাৰঃ

ফেৰ প্ৰয়োগৰ ব্যৱধান একবাৰ ছেটোনৰ পৰ 48 ঘণ্টা।

ফসল	কীটৰ নাম	প্ৰতি হেক্টৰে মাত্ৰা		জলৰে পৰিমাণ (লিটাৰে)	শেষ ছেটোনৰ সময় এবং ফসল কাটিব মধ্যে সময়ৰে ব্যৱধান (দিন)	পুনঃ প্ৰৱেশ পৰ্যন্ত প্ৰত্যেকবাৰ ছেটোনৰ ব্যৱধান (ঘণ্টা)
		এ. আই. (গ্ৰাম)	গঠন (গ্ৰাম)			
লঙ্কা	থ্ৰিপ্স এবং ফল ছিদ্ৰ ভবুয়িবা কীট	(7.50 + 17.50)- (11.25 + 26.25)	500-750	500	3	

ব্যৱহাৰৰে জন্য নিৰ্দেশঃ

স্প্ৰে ব্যৱহাৰৰে: ৰুদ্ধ ক্ষমতাযুক্ত স্প্রে ব্যৱহাৰৰে যোগদিবৰ নেপাচেক স্প্রেয়াৰ সহিত হোলোকোন নোজল কিম্বা যান্ত্ৰিক অপৰেচেৰ স্প্রেয়াৰ ব্যৱহাৰ কৰাযাব পাৰে।

প্ৰয়োগ সীমাঃ এই কীটনাশকৰে যুক্ত যিবোৰ ফসলত প্ৰয়োগ কৰাযাব নাপাৰি সেই ফসলত ব্যৱহাৰ কৰাযাব নাপাৰি। এৰ্থাৎ প্ৰয়োগ কৰিবলৈ কীটনাশক কিম্বা ৰুদ্ধিৰ বৃদ্ধি নিয়ন্ত্ৰক সহিত মিলাব প্ৰয়োগ কৰিবা কৰিব নুহোৱা।

প্ৰয়োগৰ সময়:

ফসলৰে বনস্পতি এবং প্ৰজননৰ অৱস্থাতে কীটনাশক স্প্রে কৰাব এবং যদি আৱশ্যক হুৱ তাহলেও পুনঃ স্প্রে কৰাব।

প্ৰয়োগকাৰীৰ বাবে সাৱধানতাঃ

1. এৰাব্ধ ধুঁয়াব্ধ নাখিব। তৃণ্ড ঢ়ণ্ড আৰিলু এৰা সম্পৰ্শৰে আসিবাকু দিপাৰু নাহিঁ। 2. এৰাব্ধ ৰক্ষণা-বেক্ষণ কিম্বা ব্যৱহাৰ্য্য কৰাহেলে হাতৰে হাতমোজা আৰু মুখাৰ ব্যৱহাৰ কৰিব। 3. ব্যৱহাৰ কৰোঁতে ধূমপান, খোৱা, পানী বা আন একো চোবাব নালাগে। 4. দূষিত কাপোৰ আৰু শৰীৰৰ অংগবিলাক ভালদৰে চাবোনেৰে ধোৱক। 5. খাদ্য সামগ্ৰী, খোলা বাচন আৰু পশুৰ আহাৰৰ পৰা দূৰত ৰাখিব। 6. ব্যৱহাৰ কৰাৰ সময়ত সম্পূৰ্ণ সুৰক্ষাত্মক কাপোৰ পিন্ধিব। বতাহৰ দিশতে সিঞ্চন কৰক।

বিষৰ লক্ষণঃ

এৰাব্ধ বিষৰ লক্ষণত আছে আমনি পোৱা, এলাহ লগা, মাংসপেশীত কম্পন, মৃগী ইত্যাদি। চকুৰ মণি বহল হোৱা, ভাৰসাম্যতা হেৰুওৱা আৰু এটাক্সিয়া হ'ব পাৰে। নাক বৈ থকা আৰু উশাহ লোৱাত অসুবিধা।

প্ৰাথমিক চিকিৎসাঃ

1. প্ৰভাৱিত ব্যক্তিকু প্ৰচুৰিত স্থানকু বায়ু চলচলিত হেৱুৱিবা কোঠৰ্গ্ৰী বা খোলা স্থানকু নেলেজাযাব্ধু এবং ভাগমাত্ৰাৰু বুলুৱা জাৰ্ব্ধু। 2. ত্বগ্ৰাৰে ৰাজিটিৰে প্ৰভূষিত বস্ত্ৰ ভাঙ্গাৰ ৰবিবিঅৰু ভগা ৰাগাৰেৰে বুলুবিব হোলেচিবা স্থানকু চাবুন এবং পানী দিয়াব্ধু। 3. আখি ৰিবেৰে পৰি যাইছিৰে বুল্ল যাইলেৰে আখি ৰোগাৰ দিয়াব্ধু এবং প্ৰাণী ৰন্ন ৰাৰে ধুয়েন্তু। 4. ভোজন্তু ভাৰি ৰাজ, যদি ৰোগৰ্গ পাৰি যিত্ত পাৰে ও ৰোগাৰে বা ঢ়ুল ঢ়ুয়া পানী দিয়াব্ধু। ৰাণ্ডি কৰিবাকু দিপাৰু নাহিঁ, ভুৱৰ ভাঙ্গৰ্ব্ধ পাগৰু নেৰুৱ যাআন্তু বা ভাজন্তু।

বিষনাশক:

ৰোঁগৰি সিৰোগ প্ৰতিবিধ নাহিঁ। লক্ষণ অনুযায়ৰে চিকিত্সা কৰন্তু।

ব্যৱহৃত পাত্ৰৰ হোৱাইবা প্ৰাণী ভৃগবাৰুভিন্তু নষ্ট কৰিবা:

1. প্ৰাণী ভৃগবাৰুভিকৰে সুপৰ প্ৰয়োগ বিবাৰুকনক অতো। কীটপতঙ্গক ভৃগবা/প্যাকেগুৰ্ভিন্তু ৰাজি কৰি জনবসতি পাৰু কিম্বা ভাগয়াব্ধৰে বুলুবে মাটি ৰিবেৰে ঢ়াবি দেবা ৰূচিব্ধ। 2. ব্যৱহাৰ্য্য কৰাযাব্ধিবা ভৃগবা/প্যাকেগুৰ্ভিন্তু বাহাৰাৰে পিঁৰিবা প্ৰচুৰিব্ধ। 3. চাৰ্ব্ধষকৰুৰুৰু পুৰুৰুৰুৰুমূৰু ৰুৰিবা চাৰ্ব্ধ ভৃগবা, অৰুৰিৰুৰিবা নিশ্ৰৰ/ঢ়াবাৰ, মেসিন্ৰ সাৰ্ব্ধ ভৰিবা এবং প্ৰাণী ভৃগবাৰুভিন্তু নষ্ট ৰৰিবা ৰুগৰ্ব্ধ ঢ়ুবুৰিব্ধ ৰাগৰে কৰন্তু।

সংগ্ৰহ কৰি ৰখিবা প্ৰণালী:

1. কীটপতঙ্গক ভৃগবাৰুভিন্তু অন্যান্য যাৰগৰ্ব্ধ ঢ়াবাৰ্ব্ধ ৰিবিৰি সাৰ্ব্ধভ্ৰ কৰি ৰখিবা কোঠৰ্গ্ৰীবাৰু বা ভেৰি ৰাগৰাবাৰু ব